भ्रष्टाचार पानी की जगह बहने लगा सरकारी पैसा, कांक्रीट के मिश्रण में मिट्टी युक्त रेत के उपयोग का आरोप

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा सीवरेज प्लांट, पहली टेस्टिंग में ही खुली पोल

कोतमा नवभारत 12 अप्रैल। एक ओर जहां सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसे प्रोजेक्ट्स पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर अनूपपुर जिले के जमुना कोतमा क्षेत्र में पॉलीकॉन टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी की लापरवाही और घटिया निर्माण ने व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्षेत्र में नवनिर्मित सीवरेज प्लांट को जैसे ही टेस्टिंग के लिए शुरू किया गया और इसमें वेस्टेज (अपशिष्ट) भरा गया, प्लांट की शुरुआती दो कांक्रीट की टंकियां छलनी की तरह रिसने लगीं। टंकियों से पानी का रिसाव इतनी तेजी से हुआ कि निर्माण की गुणवत्ता की पोल खुल गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कांक्रीट के मिश्रण में मिट्टी युक्त रेत का उपयोग किया गया है और सीमेंट की मात्रा भी मानक से काफी कम रखी गई है।

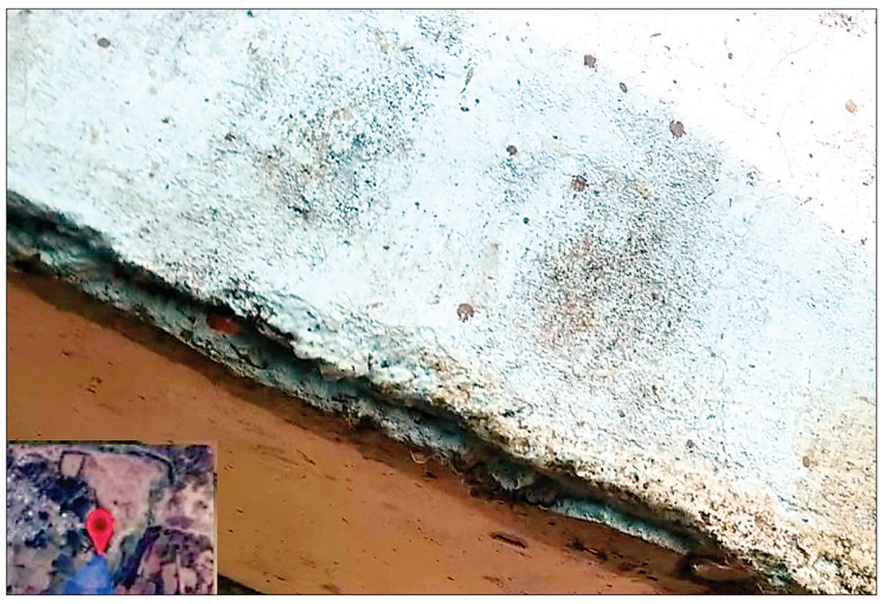

इंजीनियर की भूमिका संदिग्ध शिकायतों को किया अनदेखा

हैरानी की बात यह है कि निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय जागरूक नागरिकों ने कई बार संबंधित इंजीनियर को सामग्री की खराब गुणवत्ता के बारे में अवगत कराया था। लेकिन, आरोप है कि इंजीनियर ने इन शिकायतों पर संज्ञान लेने के बजाय आंखें मूंद लीं। इंजीनियर की यह चुप्पी सीधे तौर पर भ्रष्टाचार में संलिप्तता की ओर इशारा कर रही है।

आरटीआई से भागते अधिकारी और सूचना का अभाव

मामले की गंभीरता को देखते हुए जब सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जमुना कोतमा क्षेत्र कार्यालय से कार्य की कुल लागत, एग्रीमेंट की शर्तें और अब तक किए गए भुगतान की जानकारी मांगी गई, तो विभाग जानकारी देने से बचता नजर आया। सूचना नहीं देना इस आशंका को और पुख्ता करता है कि पर्दे के पीछे बहुत कुछ छिपाया जा रहा है।

महाप्रबंधक और विजिलेंस तक पहुंचा मामला

प्रोजेक्ट में व्याप्त भ्रष्टाचार और घटिया सामग्री के उपयोग को लेकर अब महाप्रबंधक (जमुना कोतमा क्षेत्र) और विजिलेंस विभाग को लिखित शिकायत सौंपी गई है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि प्लांट के निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच हो।

कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग

नागरिकों ने मांग की कि दोषी ठेकेदार कंपनी 'पॉलीकॉन टेक्नोलॉजी लिमिटेड' को ब्लैकलिस्ट किया जाए। संबंधित इंजीनियर की भूमिका की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए। अब देखना यह होगा कि वरिष्ठ अधिकारी इस सार्वजनिक धन की बर्बादी पर क्या कड़ा रुख अपनाते हैं या फिर भ्रष्टाचार का यह खेल ऐसे ही बदस्तूर जारी रहेगा।

भगवान परशुराम परंपरा, संस्कृति और धर्म के प्रतीक : मिश्र

कोतमा नवभारत 12 अप्रैल। भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम की जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर अवकाश घोषित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड, अनूपपुर के जिला प्रभारी भगवान दास मिश्र 'पड़रहा' ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और सनातन मूल्यों के सम्मान का विषय है। भगवान दास मिश्रा ने कहा कि भगवान परशुराम केवल ब्राह्मण समाज के आराध्य नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण मानव समाज के लिए न्याय, साहस और धर्म की स्थापना के प्रतीक हैं। उन्होंने अत्याचार और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष कर समाज को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। ऐसे महान अवतार की जयंती पर पूरे देश में अवकाश घोषित किया जाना उनके योगदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

नई पीढ़ी को उनके जीवन से परिचित कराया जाए

उन्होंने आगे कहा कि भारत में विभिन्न महापुरुषों और संतों की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किए गए हैं, जिससे उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। उसी प्रकार भगवान परशुराम जयंती को भी राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर देश की नई पीढ़ी को उनके जीवन और आदर्शों से परिचित कराया जाना चाहिए।

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने प्रतिबद्ध : राज्यमंत्री

बिजुरी, नवभारत 12 अप्रैल। नगर पालिका परिषद बिजुरी द्वारा कराए जा रहे करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण 11 अप्रैल को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष सहबिन पनिका ने की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सबसे पहले वार्ड क्रमांक 9 में लगभग 27 लाख रुपये की लागत से निर्मित बाल उद्यान का फीता काटकर लोकार्पण किया गया। इसके बाद इसी वार्ड में स्थित सूर्य मंदिर देवी तालाब, जहां हर वर्ष छठ पर्व पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं, का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण होने पर जनता को समर्पित किया गया। इसके पश्चात वार्ड क्रमांक 1 में करोड़ों की लागत से निर्मित संजीवनी क्लिनिक का लोकार्पण किया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 14 में प्रस्तावित मंगल भवन के निर्माण हेतु भूमि पूजन भी मंत्री द्वारा संपन्न कराया गया।

महिला-बहुल परिषद की सराहना की

इस अवसर पर मंत्री दिलीप जायसवाल ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार और प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन के तहत महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। नगर पालिका परिषद बिजुरी की महिला-बहुल परिषद की सराहना करते हुए कहा गया कि 15 वार्डों में से 13 वार्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व नगर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

युवक- युवतियों ने दी शिक्षा संस्कार और परिवार को प्राथमिकता

नवभारत,जबलपुर। पंजाबी हिन्दू एसोसियेशन द्वारा आयोजित 34वें राष्ट्रीय पंजाबी वैवाहिक परिचय सम्मेलन का शुभारंभ पूर्व मंत्री तरूण भानोत की उपस्थिति में नेपियर टाउन स्थित बारातघर में हुआ। दो दिवसीय इस सम्मेलन में पहले दिन ही 500 पंजीयन दर्ज किए गए, जिसमें 270 युवतियां और 230 युवक शामिल रहे। देश के विभिन्न शहरों नागपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, पुणे, रायपुर, दिल्ली सहित कई स्थानों से युवक-युवतियां अपने परिजनों के साथ जीवनसाथी की तलाश में पहुंचे। सम्मेलन में शिक्षा, संस्कार और अच्छे परिवार को प्राथमिकता दी गई।हाईटेक व्यवस्था के तहत प्रतिभागियों की जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित की गई।

सोशल मीडिया में ब्राम्हण-पटेल विवाद ने पकड़ा तूल

अनूपपुर में दंगे जैसी स्थिति के आसार, भड़काऊ पोस्ट के खिलाफ ब्राह्मण संगठन ने सौंपा ज्ञापन

अनूपपुर, नवभारत 12 अप्रैल। जिले में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि सामाजिक सौहार्द बिगड़ने और दंगे जैसी स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जताई जा रही है।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद ब्राह्मण समाज के संगठन एकजुट हो गए हैं और प्रशासन से तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ब्राह्मण समाज के लोगों का आरोप है कि फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पटेल समाज के आसामाजिक वा अपराधिक तत्वों द्वारा ब्राम्हेण समुदाय के खिलाफ लगातार अभद्र, अपमानजनक और भड़काऊ पोस्ट डाली जा रही हैं।

जातिगत भावनाओं को भड़काने की कोशिश

इन पोस्टों में कथित रूप से अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हुए जातिगत भावनाओं को भड़काने की कोशिश की जा रही है, जिससे समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं और ब्राम्हकण समाज के युवाओं के बीच आक्रोश का माहौल बनता जा रहा है।

नामों का उल्लेख करते हुए लगाए आरोप

मामले को लेकर ब्राह्मण समाज के दो सैकड़ा से अधिक लोग एकजुट होकर रैली के रूप में कोतवाली अनूपपुर पहुंचे, जहां उन्होंने कोतवानी निरीक्षक अरविंद जैन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कुछ व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि वे संगठित रूप से ब्राम्हंण समाज के खिलाफ माहौल बनाने और अन्य समुदायों को उकसाने का प्रयास कर रहे हैं।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

ब्राम्हाण समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जिनके कारण शहर में तनाव की स्थिति बनी थी। उनका कहना है कि इसके पूर्व 26 अगस्तक 2020 को दीपक पटेल द्वारा फेसबुक में सबसे पहले हिन्दून-मुस्लिम समुदाय के लिये भड़काऊ पोस्ट कर हिन्दुओं को भडकाया था, जिससे नगर के अंदर दो दिनों तक आगजनी वा दंगा का रूप ले लिया था और शहर में तनाव और विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई थी।

एक नजर में

मुख्यमंत्री विचार गोष्ठी व श्रद्धांजलि सभा को करेंगे संबोधित

अनूपपुर, नवभारत। जिले की विश्व प्रसिद्ध तीर्थ एवं पर्यटन नगरीअमरकंटक में सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे प्रात: 11 बजे नर्मदे हर सेवा न्यास के नए मुख्यालय में आयोजित स्वर्गीय भगवत शरण माथुर की जयंती पर 'पंच परिवर्तन' विषयक विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करेंगे। स्व. भगवत शरण माथुर ने संगठन में अनेक महत्वपूर्ण दायित्व निभाए। वे कई बार प्रचारक रहे, रीवा संभाग में भाजपा के संभागीय संगठन मंत्री रहे। इसके साथ ही वे भाजपा मध्य प्रदेश के सह संगठन महामंत्री, प्रदेश महामंत्री (संगठन), भाजपा हरियाणा प्रांत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। वे राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रमुख भी रहे और नर्मदे हर सेवा न्यास, अमरकंटक के संस्थापक अध्यक्ष थे।

अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

अनूपपुर, नवभारत। जिले में अवैध रेत खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। बिजुरी पुलिस ने 12 अप्रैल को ग्राम बहैहाटोला स्थित केवई नदी घाट पर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। इस दौरान ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 65 जेडबी 2679 अवैध रूप से रेत खनन कर परिवहन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही आरोपी चालक ओमप्रकाश साहूके खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जीआरपी जबलपुर ने चलाया साइबर जागरूकता अभियान

जबलपुर, नवभारत। शहर में ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसमें छात्र छात्राओं के साथ साथ नौकरी पेशा वर्ग के लोग भी इस धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। इस तरह की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जीआरपी जबलपुर ने मुख्य रेलवे स्टेशन पर साइबर सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में यात्री, महिलाओं ने भाग लिया। इस जागरूकता अभियान के तहत लोगों को साइबर से संबंधित धोखाधड़ी एवं ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी किसी को नहीं देने का परामर्श देकर सोशल मीडिया पर साइबर के माध्यम से होने वाली घटनाओं से अवगत कराते हुए डिजिटल अरेस्ट के विषय में उदाहरण सहित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट में मजबूत पासवर्ड रखने और उसे समय समय पर बदलने हेतु भी लोगो को जागरूक किया गया। इस अवसर पर जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत साइबर सेल से सहायक उप निरीक्षक रवि कुमार, सागर उपाध्याय, पिंटू पाल एवं स्टाफ अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बूंद-बूंद पानी बचाने के लिए बन रहे खेत तालाब

श्रमदान से जल स्रोतों की सफाई की जा रही

अनूपपुर, नवभारत 12 अप्रैल। जिले में जल संरक्षण और संवर्धन को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर हर्षल पंचोली और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी के निर्देशन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में श्रमदान के माध्यम से जल स्रोतों की साफ-सफाई की जा रही है।

जल स्रोतों की मरम्मत और नई जल संरचनाओं का निर्माण भी तेजी से कराया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 9 मार्च से 3 जून 2026 तक विभिन्न गतिविधियों की विभागवार कार्ययोजना बनाकर उसे अमल में लाया जा रहा है। जिला प्रशासन जनभागीदारी के साथ बूंद-बूंद जल बचाने के संकल्प को साकार करने में जुटा है।

खेत तालाब निर्माण से बढ़ेगा जल संचयन

जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत खमरौध में हितग्राही मनमती पनिका और ग्राम पंचायत गुलीडांड में रघुवर पाव द्वारा मनरेगा योजना के तहत खेत तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। इन तालाबों से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को सिंचाई में मदद मिलेगी।

नगर परिषद डूमर कछार भी सक्रिय

नगर परिषद डूमर कछार द्वारा पशु पेयजल स्रोतों और कुओं की सफाई कराई गई।

पौराधार क्षेत्र के लघु जल स्रोत और वार्ड क्रमांक 1 स्थित पुलिया दफाई के कुएं की सफाई कर जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

जल संरक्षण का दिया संदेश

ग्राम पंचायत उरतान में स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर तालाब की सफाई की और जल संरक्षण का संदेश दिया। वहीं अमरकंटक के रामघाट उत्तर तट स्थित शबरी माता मंदिर परिसर में भी नगर परिषद प्रतिनिधियों और नागरिकों ने मिलकर व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान कचरा हटाकर जल स्रोतों को स्वच्छ बनाया गया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

डॉ. गीता पांडेय को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

नवभारत,जबलपुर। साहित्यकार, कवयित्री एवं समाजसेविका डॉ. गीता पांडेय 'बेबी' को उनके साहित्य, मानवता और समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए ग्लोबल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (यूएसए) द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि उनके शोध कार्य 'दिव्या प्रेरक कहानियां' को समाज में प्रेरणादायक साहित्यिक योगदान के रूप में सराहा गया, जिसे डॉ. अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में एक्सीलेंस ए प्लस श्रेणी में प्रस्तुत किया गया था। शोध पूर्ण होने के पश्चात उन्हें कॉपीराइट एवं रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। यह सम्मान वलसाड़ (गुजरात) स्थित हार्टफुलनेस सेंटर मेडिटेशन एवं योगा केंद्र में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने डॉ. गीता पांडेय 'बेबी' के साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉ. गीता पांडेय 'बेबी' विजयनगर, एकता चौक निवासी स्वर्गीय अवधेश कुमार पांडेय एवं श्रीमती रुक्मणी पांडेय (पूर्व टैक्स ऑफिसर, नगर निगम) की पुत्री हैं। वे लंबे समय से मानवाधिकार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, दिव्यांग सहायता, निशुल्क शिक्षा, कंप्यूटर प्रशिक्षण, गरीब कन्याओं के विवाह एवं जरूरतमंद बच्चों को शैक्षिक सामग्री वितरण जैसे कार्यों में सक्रिय हैं। उन्हें अब तक लगभग 35-40 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान तथा विभिन्न मंचों से 100 से अधिक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उनके इस सम्मान पर साहित्य एवं समाजसेवा से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

लापरवाही निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा, सरकार ने 2021 में निर्माण को मंजूरी दी थी, केवल 2-4 मजदूरों से काम चल रहा है

तीन साल बाद भी पुल अधूरा, 28 गांवों की राह अब भी मुश्किल

अनूपपुर, नवभारत 12 अप्रैल। जिला मुख्यालय से 28 गांवों को जोड़ने वाला तिपान नदी पर बन रहा पुल तीन साल बाद भी अधूरा है। करीब 3 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस पुल का निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 में पुराना पुल नदी में धंस गया था और 2020 में उसका दूसरा छोर भी क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद नए पुल की मांग उठी, जिस पर सरकार ने 2021 में निर्माण को मंजूरी दी। हालांकि, इतने समय बाद भी पुल तैयार नहीं हो सका है।

कम मजदूर, धीमा काम

सामतपुर-हर्री-बर्री से कोलमी-फुनगा को जोड़ने वाले इस पुल का निर्माण सेतु निगम शहडोल की देखरेख में हो रहा है, लेकिन साइट पर केवल 2-4 मजदूरों से काम चल रहा है, जिससे निर्माण की गति काफी धीमी बनी हुई है। ठेकेदार का दावा है कि पुल के पिलर तैयार हो चुके हैं और स्लैब डालने का काम जारी है। अब तक करीब 42 मीटर स्लैब डाला जा चुका है और तीसरे स्लैब का काम जल्द पूरा करने की बात कही जा रही है।

बारिश बनेगी बड़ी बाधा

बरसात का मौसम करीब है, जिससे निर्माण कार्य पर असर पड़ने की आशंका है। बारिश शुरू होते ही तिपान नदी का जलस्तर बढ़ जाएगा और काम रुक सकता है। फिलहाल ग्रामीण अस्थायी पगडंडी से आवागमन कर रहे हैं, जो बारिश में बंद हो जाएगी। इससे कई गांवों का संपर्क पूरी तरह टूटने का खतरा है।

28 गांवों की लाइफलाइन

यह पुल सामतपुर, हर्री-बर्री, भगताबांध, पसला, बिजौड़ी, चातरहिया, रक्शा, कोलमी, अमगंवा, छुलकारी और फुनगा सहित करीब 28 गांवों को जोड़ता है। पुल नहीं होने से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए करीब 5 किलोमीटर लंबा अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ता है।

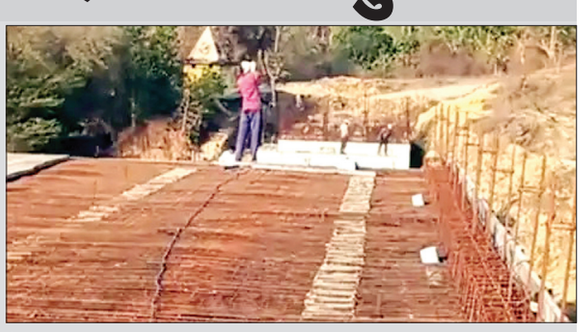

ग्रामीणों में नाराजगी

ग्रामीणों का आरोप है कि शुरू से ही निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। उनका कहना है कि यदि इसी तरह काम चलता रहा, तो पुल बनने में अभी एक साल और लग सकता है। विभाग का कहना है कि यदि मजदूरों की कमी नहीं हुई और मौसम ने साथ दिया, तो जून तक पुल का अधिकांश काम पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि, अब भी ग्रामीणों को जल्द पुल बनने का इंतजार है, ताकि उनकी रोजमर्रा की दिक्कतें खत्म हो सकें।